2027 तक 500 अरब डालर के पार होगी यूपी की आर्थिकी

ओमप्रकाश तिवारी • मुंबई

धार्मिक पर्यटकों एवं निवेशकों को एक साथ आकर्षित कर उत्तर प्रदेश 2027 तक 500 अरब डालर से ज्यादा की आर्थिकी वाले दो राज्यों में शामिल हो सकता है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला महाराष्ट्र दूसरा राज्य हो सकता है। एसबीआइ रिसर्च की ओर से हाल में जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र की तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना, विभिन्न राज्य सरकारों की पहल के साथ मिलकर भारत में आध्यात्मिक पर्यटन उद्योग को विकसित करने में बड़ी भूमिका निभाने जा रही है। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। अयोध्या में नवनिर्मित राम

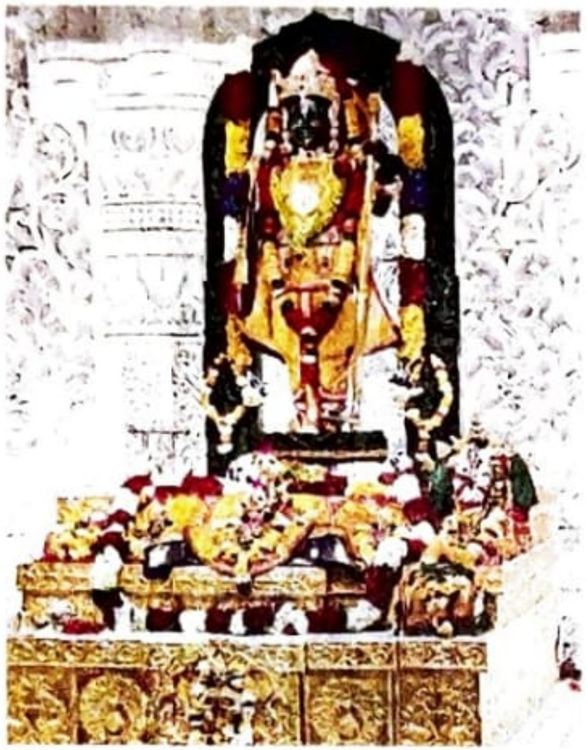

- एसबीआइ रिसर्च ने कहा, धार्मिक पर्यटन में वृद्धि से अतिरिक्त राजस्व
- शेयर बाजार में 89.47 लाख निवेशकों संग गुजरात को पछाड़ा

मंदिर के साथ-साथ यूपी सरकार की पहल से आगंतुकों में वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य को 20 से 25 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता है।

प्रदेश सरकार के अनुसार, 2022 में करीब 32 करोड़ पर्यटकों ने राज्य का दौरा किया। इसमें से 2.21 करोड़ पर्यटक अकेले अयोध्या पहुंचे। इन पर्यटकों ने दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए।

विदेशी पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश को भारत में पांचवें सबसे अधिक देखे जाने वाले राज्य के रूप में स्थान देते हुए वहां की अर्थव्यवस्था में 10,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त योगदान दिया। अब भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद वहां बड़ी संख्या में आ रहे देशी-विदेशी पर्यटकों के कारण पर्यटन में उछाल से उत्तर प्रदेश को पर्याप्त आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है।

'द राइज आफ उत्तर प्रदेश' शीर्षक से प्रकाशित इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए एसबीआइ फंड मैनेजमेंट लिमिटेड के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं ज्वाइंट सीईओ डीपी सिंह कहते हैं कि उत्तर प्रदेश उन दो राज्यों में से एक बनकर उभरा है, जिनकी अर्थव्यवस्था के 2027 तक 500 अरब डालर के पार जाने की उम्मीद है। यह सामूहिक रूप से भारत की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान भी देगा।

वित्तीय बाजार में भी राज्य के निवेशकों के बढ़ते रुझान को लेकर सिंह ने बताया कि कुछ ही दिनों पहले एसबीआइ म्यूचुअल फंड द्वारा जारी नए फंड आफर (एनएफओ) एसबीआइ एनर्जी अपार्चुनिटीज फंड की पहले दिन हुई बिक्री का 17 प्रतिशत उत्तर प्रदेश से प्राप्त हुआ। यही नहीं, शेयर बाजार में 89.47 लाख निवेशकों के साथ उत्तर प्रदेश गुजरात को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।